आज की जनधारा

पेज 9

epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | वर्ष : 26 | अंक : 342 | रायपुर, मंगलवार 26 सितंबर 2017 | आश्विन शुक्ल पक्ष- 6 वि.सं. 2074 | पृष्ठ : 12 | फोन : 0771-4023793, फैक्स : 0771 4039567 ❁❁❁ मूल्य: 2.00 `

मंत्री के भाई के घर आईटी की रेड

जनधारा समाचार

रायपुर। इनकम टैक्स विभाग ने आज छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी कार्रवाई की है। इनकम टैक्स विभाग ने आज मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के भाई यशवंत अग्रवाल के ठिकानों पर छापा मारा है। मंत्री के भाई पर कोल वाशरी में करोड़ों की टैक्स चोरी के आरोप में ये छापा मारा है। ये कार्रवाई मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के पैतृक आवास रामसागर पारा के आसपास में चल रही है। सुबह से इनकम टैक्स विभाग की इन्वेस्टीगेशन विंग छापेमारी की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि रायपुर में इंद्रमणि कोल इंडिया के संचालक सुनील अग्रवाल से यशवंत अग्रवाल की पार्टनरशिप है। इसी के मद्देनजर इनकम टैक्स विभाग छापेमारी की ये कार्रवाई कर रही है। आईटी की टीम ने रायपुर कोरबा समेत 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

कोल कारोबारी से है संबंध, 10 ठिकानों पर 100 लोगों की टीम कर रही जांच

करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी की शिकायत पर आयकर अन्वेषण विभाग की 100 सदस्य टीम रायपुर के कोल कारोबारी के घर उसके मैनेजर के अशोका रत्न स्थित घर कोरबा के हरदी बाजार स्थित दफ्तर रामसागर पारा में घर और दफ्तर के साथ ही कोरबा के बेलतरा दीपिका समेत अन्य स्थानों पर जांच कर रही है। कोल कारोबारी के खिलाफ पिछले काफी समय से आयकर विभाग को शिकायतें मिल रही थी आयकर रिटर्न में भी लगातार गड़बड़ी मिलने के बाद छापेमारी सुबह करीब 7:00 बजे जांच की कार्यवाही शुरू की। इस बड़ी कार्यवाही में इनकम टेक्स कमिश्नर लगातार निगरानी कर रहे हैं। शेष पृष्ठ 10 पर

तीन कंपनियों मे डायरेक्टर हैं मंत्री के भाई

इंकम टैक्स विभाग के सूत्र बताते हैं कि कंपनी में चार डायरेक्टर और इससे जुड़े सभी बिजनेस एसोसिएट्स के ठिकानों पर भी छापे की कार्रवाई की गई है। आईएमआईपीएल के अकलतरा स्थित ग्रीन फिल्म प्राइवेट फ्रिगेट टर्मिनल रेलवे साइडिंग को भी इंकम टैक्स की इनवेस्टिगेशन टीम ने कवर किया है। प्रारंभिक इनवेस्टिगेशन में ये बाते सामने आई है कि मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के भाई यशवंत अग्रवाल विश्व भारती लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिलेड, विश्व भारती इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड और सांभवी एनर्जी एंड कोल बेनेफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड में डायरेक्टर हैं। इसके अलावा बताया जा रहा है कि कंपनी में सुनील कुमार अग्रवाल, प्रकाश चंद अग्रवाल, पंकज अग्रवाल और जितेंद्र सिंह हेड डायरेक्टर हैं।

जाति मामला : जोगी के वकील की बहस पूरी

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की याचिका पर उनके वकील ने हाईकोर्ट में अपनी बहस पूरी कर ली। उनकी बहस पूरे एक हफ्ते चली। पिछले मंगलवार से मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस शरद गुप्ता की युगल खंडपीठ में रोज़ाना चल रही है। इस मामले में बुधवार को भी सुनवाई जारी रहेगी।

महाधिवक्ता ने शुरु की बहस

जाति मामले के लिए गठित हाईपावर कमेटी ने अजीत जोगी को आदिवासी नहीं माना था। इसके फैसले के खिलाफ अजीत जोगी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। पिछले हफ्ते से इस मामले की रोज़ाना शुरु हो गई है। मंगलवार से अजीत जोगी के वकीलों की टीम ने अपनी दलीलें शुरु की थी जो अब पूरी हो गई है। जोगी के वकीलों की दलीलें खत्म होने के बाद सरकार की ओर से महाधिवक्ता जुगल किशोर गिल्डा ने मंगलवार को बहस शुरु की। महाधिवक्ता गिल्डा की बहस बुधवार को भी जारी रहेगी। इसके बाद तीसरे पक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग एवं उसके अध्यक्ष नंदकुमार साय की ओर से उनकी वकील रक्षा अवस्थी और वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र नाथ अवस्थी अपनी बहस शुरु करेंगे।

भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं : मोदी

नई दिल्ली। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में कोई समझौता नहीं है। जो भी पकड़ा जाएगा, उसे बख्शेंगे नहीं। मेरे कोई रिश्तेदार नहीं हैं। करप्शन और टेररिज्म के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने के लिए पार्टी संगठन काम करे। देश की जनता ने बीजेपी पर भरोसा जताया है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। बता दें कि बीजेपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में मिशन 360 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसमें शाह ने एक सीक्रेट प्लान भी बनाया है। जिसे उन्होंने दो दिन चली मीटिंग में नेताओं से शेयर किया।

लोकतंत्र को चुनाव से आगे लेकर आएं : अरुण जेटली के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि 13 मुख्यमंत्री, 6 डिप्टी सीएम, 7 केंद्रीय मंत्री, 232 राज्यमंत्री, 1515 एमएलए, 334 सांसदों की कार्यसमिति बनाई गई है। ये देश की आशा और आकांक्षा का केंद्र बिंदु है। देश ने बीजेपी में विश्वास जताया। भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़ने और चुनाव जीतने के साथ-साथ विश्वास और सत्ता को साधन माने। इस साधन से लोकतंत्र को चुनाव से आगे लेकर जाए। उस लोकतंत्र को जनभागीदारी में बदलने का काम बीजेपी और संगठन को करना है। राजनीतिक शेष पृष्ठ 10 पर

सहज बिजली हर घर योजना, सौभाग्य का शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की शाम 6.30 बजे दीनदयाल उर्जा भवन में सौभाग्य योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने इस योजना के बारे में जानकारी दी कि इस योजना में भारत सरकार ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के सभी इच्छुक घरों को बिजली की पहुंच सुनिश्चित करेगी। इस योजना पर कुल परिव्यय 16320 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसमें सरकारी बजटीय सहायता 12320 करोड़ रुपए होगी। इस योजना में ग्रामीण आवास परिव्यय 14025 करोड़ रुपए तथा ग्रामीण आवास परिव्यय 1732.50 करोड़ रुपए होंगे। इस योजना में राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों में विद्युतीकरण का कार्य 31 मार्च 2019 तक पूरा होना अपेक्षित है।

बीएचयू विवाद पर मोदी-शाह ने योगी से की बात

वाराणसी। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में मचे बवाल को लेकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने योगी आदित्यनाथ से बात की है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी है। इससे पहले शनिवार रात स्टूडेंट्स पर हुए लाठीचार्ज के मामले में पहली कार्रवाई हुई। लंका इलाके के थाना प्रभारी (एसओ) को लाइन अटैच कर दिया गया। भेलूपुर के सर्कल ऑफिसर (सीओ) निवेश कटियार को भी उनके पद से हटा दिया गया। जैतपुरा के एसओ संजीव मिश्रा को लंका इलाके का नया एसओ बनाया गया है। इतना ही नहीं, वाराणसी के एडिशनल सिटी मजिस्ट्रेट सुशील कुमार गोंड को भी हटा दिया गया है। इस मामले में यूनिवर्सिटी के 1000 स्टूडेंट्स पर आगजनी और अन्य आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है।

1000 स्टूडेंट्स पर एफआईआर दर्ज

एडीजी और कमिश्नर से मांगी गई ज्वाइंट रिपोर्ट : चीफ सेक्रेटरी राजीव कुमार ने शनिवार रात बीएचयू में हुए लाठीचार्ज की घटना की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने कमिश्नर नितिन रमेश गोकर्ण और वाराणसी रेंज के एडीजी विश्वजीत महापात्रा को ज्वाइंट रिपोर्ट पेश करने को कहा है। कमिश्नर नितिन रमेश गोकर्ण ने कहा कि सोमवार को बीएचयू में हुई घटना की सुनवाई करेंगे।

गुजरात में गरीबों की सरकार बनाएंगे

अहमदाबाद। राहुल गांधी (47) सोमवार को 3 दिन के दौरे पर गुजरात के द्वारका पहुंचे। यहां उन्होंने द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की। राहुल ने कहा कि बीजेपी कुछ बिजनेसमैनों को ही बिजली-जमीन दे रही है। अगर गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनती है तो ये गरीबों-किसानों और युवाओं की सरकार होगी। उधर, पाटीदार आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल ने ट्वीट किया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल जी का गुजरात में स्वागत है। जय श्रीकृष्णा। बता दें कि इसी साल गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। बता दें कि 182 सीटों वाली गुजरात असेंबली में करीब एक तिहाई सीटें सौराष्ट्र की हैं।

राहुल ने की द्वारकाधीश की पूजा

सरकार ने जीएसटी लाने में जल्दबाजी की : राहुल ने कहा कि हमने सरकार से कहा कि पूरे देश के लिए एक टैक्स होना चाहिए। ये टैक्स धीमे से लाइए। सरकार ने जीएसटी लाने में जल्दबाजी की। अभी हर महीने व्यापारियों को 3 फॉर्म भरने पड़ते हैं। बड़े व्यापारी तो आराम से ऐसा कर लेते हैं, क्योंकि उनके पास अकाउंटेंट होते हैं। पूरा फायदा किनको मिलता है, ये आप जानते हो- 5-6 कंपनियों को जमीन-बिजली मिल रही है। सरकार के पास गरीबों के लिए कुछ नहीं है। गुजरात में हमारी सरकार आई तो ये गरीबों, किसानों और युवाओं की सरकार होगी। शेष पृष्ठ 10 पर

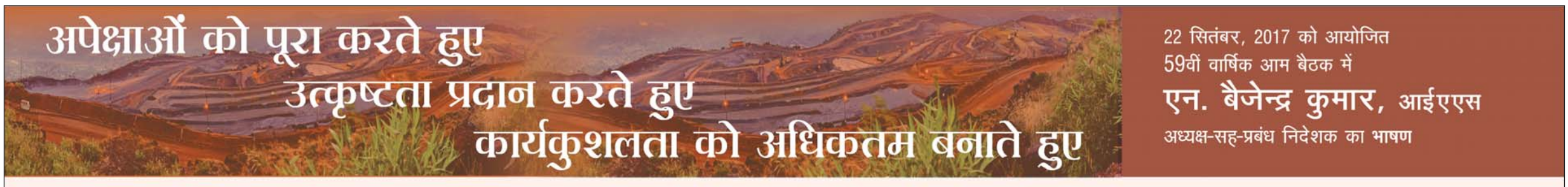

22 सितंबर, 2017 को आयोजित
59वीं वार्षिक आम बैठक में
एन. बैजेन्द्र कुमार, आईएएस
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का भाषण

प्रिय शेयर धारकों

कम्पनी की 59वीं वार्षिक आम बैठक में आपका स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। एनएमडीसी परिवार में शामिल होते हुए मुझे हर्ष हो रहा है तथा इस अवसर पर मैं वर्ष 2016–17 के दौरान कंपनी के वित्तीय निष्पादन तथा भविष्य की हमारी योजनाओं से आपको अवगत कराना चाहता हूं।

आपकी कम्पनी के बारे में कुछ सुखद समाचारों के साथ मैं अपनी बात प्रारम्भ करता हूं। आपकी कंपनी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी बनी रही तथा इसकी बाजार में भागीदारी 2016–17 में 25% रही (केप्टिव लौह अयस्क उत्पादन को छोड़कर)। बाजार की समस्त अपेक्षाओं से आगे निकलते हुए, एनएमडीसी ने 2016–17 के दौरान रिकॉर्ड उत्पादन एवं बिक्री की है। यह अत्यंत हर्ष की बात है कि कम्पनी ने अपने इतिहास में लौह अयस्क का अब तक का सर्वाधिक 34 मिलियन टन उत्पादन किया है एवं 35.6 मिलियन टन बिक्री की है। लौह अयस्क का उत्पादन एवं बिक्री वार्षिक आधार पर क्रमशः 19% तथा 24% अधिक रही जो एनएमडीसी के इतिहास में अब तक सर्वाधिक है। आपकी कंपनी रूपए 4293 करोड़ के कर पूर्व लाभ के साथ सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से एक है।

विश्व अर्थव्यवस्था

अब मैं संक्षेप में विश्व के आर्थिक वातावरण के परिप्रेक्ष्य में बात करना चाहूंगा जिससे आपकी कम्पनी के निष्पादन पर भी प्रभाव पड़ता है। वैश्विक जीडीपी 2016 के 3.2 के स्तर से बढ़कर 2017 में लगभग 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है (स्रोत:आईएमएफ)। विकसित अर्थव्यवस्था तथा उभरती हुई एवं विकासशील अर्थव्यवस्था, दोनों में आर्थिक गतिविधियों में 2016 के मुकाबले 2017 में तेजी आने का अनुमान है।

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में है तथा सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों से इसमें तेजी आना तय है। जीएसटी का प्रारंभ, व्यवसाय में सरलता, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में सुधार जैसी सरकार की नीतियों एवं मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया जैसे विभिन्न अभियानों से भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति में तेजी आने की संभावना है। विश्व स्तर पर तेल की कीमतों में निरंतर कमी का महत्वपूर्ण प्रभाव पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर व्यय को कम करने में पड़ा है जिससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

भारत सरकार द्वारा मूलभूत सुविधाओं पर व्यय में वृद्धि तथा "मेक इन इंडिया" को प्रोत्साहन इस्पात उद्योग एवं उसके साथ लौह अयस्क क्षेत्र के लिए शुभ संकेत है।

उद्योग

विश्व के कुल कच्चे इस्पात का उत्पादन वर्ष 2016 में 1,630 मिलियन टन था जो 2015 की तुलना में 0.6% अधिक था। वर्ष 2017 में जनवरी–जुलाई 2017 की अवधि में विश्व के इस्पात उत्पादन में रिकॉर्ड 4.6% की वृद्धि दर्ज की गई है जो प्रमुख रूप से चीन में अत्यधिक उत्पादन के कारण है। उत्पादन के उच्च स्तर के कारण विश्व में इस्पात की कीमतों में वृद्धि हुई है जिससे इस्पात की कच्ची सामग्री, जैसे कि लौह अयस्क एवं कोकिंग कोल की कीमतों में भी वृद्धि हुई।

बाजार के अनुमानों को चुनौती देते हुए 2017 की प्रथम तिमाही में लौह अयस्क की औसत कीमत $75/टन रही जो 2016 की औसत कीमत $58/टन तथा 2015 की $55/टन से अधिक रही (स्रोत: प्लैट्स; 62%Fe सीएफआर चीन)।

हालांकि, आगे आने वाले समय में चीन के इस्पात उत्पादन में मंदी, समुद्री मार्ग से लौह अयस्क आपूर्ति में वृद्धि, खानों द्वारा बड़े स्तर पर उत्पादन को बढ़ाने तथा फ्रीड स्टॉक के रूप में स्क्रैप से प्रतिस्पर्धा के कारण लौह अयस्क की मांग एवं कीमतों पर दबाव पड़ने की सम्भावना है।

सकारात्मक पक्ष यह है कि भारत इस्पात उद्योग के लिए भविष्य की भूमि माना जाता है। भारत 2016 के दौरान विश्व का तीसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक रहा तथा निकट भविष्य में दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक बनने की संभावना है। हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में सभी प्रमुख क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं, आवास, आटोमोबाइल आदि में परिकल्पित वृद्धि को देखते हुए वर्ष 2030–31 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन की क्षमता का लक्ष्य रखा गया है। देश में प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत विश्व औसत 208 कि.ग्रा. के मुकाबले 63 कि.ग्रा. है जो भारत के इस्पात उद्योग में वृद्धि की बड़ी संभावनाएं प्रदान करती है।

आपकी कंपनी भारतीय इस्पात उद्योग के भविष्य के बारे में आशावादी है तथा देश में लौह अयस्क की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है।

वित्त वर्ष 2016–17 के निष्पादन की झलक

जैसा कि पहले ही बताया गया है, एनएमडीसी ने वर्ष 2016–17 के दौरान लौह अयस्क का 34.0 मिलियन टन रिकार्ड उत्पादन तथा 35.6 मिलियन टन रिकार्ड बिक्री की है, जो वार्षिक आधार पर 19% तथा 24% अधिक है। कुल व्यवसाय रूपए 8830 करोड़ रहा जो 2015–16 से 37% अधिक था। आपकी कंपनी की निवल मालियत दिनांक 31 मार्च, 2017 को रूपए 22519 करोड़ थी।

मुझे यह भी बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि चालू वित्त वर्ष में अगस्त, 2017 तक हमारा उत्पादन तथा बिक्री मूल्य विगत वर्ष की इसी अवधि से 13% तथा 16% अधिक है। वर्तमान अवधि में अगस्त, 2017 तक कीमतें विगत वर्ष की तुलना में स्थिर तथा उच्च रही हैं।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2016–17 के लिए 515% की दर से अर्थात रूपए 5.15 प्रति शेयर लाभांश की घोषणा की है।

इक्विटी शेयरों की वापसी खरीद

आपकी कंपनी ने इक्विटी शेयरों की वापसी खरीद का कार्य किया जो समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पूर्ण हो गया। रूपए 1/- के मूल्य वाले 80,08,25,526 इक्विटी शेयरों की रूपए 94/- प्रति शेयर की दर से टेंडर माध्यम से वापसी खरीद की गई, जिसमें रूपए 7,528/- करोड़ की राशि का व्यय हुआ। वापसी खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत सरकार की शेयर धारिता 80% से घटकर 74.94% हो गई है।

विजन 2025

भारतीय इस्पात उद्योग की लौह अयस्क की बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए आपकी कंपनी ने 2021–22 तक अपनी उत्पादन क्षमता 67 मिलियन टन वार्षिक तक बढ़ाने की योजना बनाई है। इस योजना में मुख्य रूप से मौजूदा खानों के ब्राउन फील्ड विस्तार तथा निकासी सुविधा में सुधार पर बल दिया गया है। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से एक ग्रीन फील्ड खान (निक्षेप 13) के विकास की भी योजना बनाई गई है, जिसके लिए खनन पट्टे का निष्पादन किया जा चुका है।

आपकी कंपनी के पास हैदराबाद में एक उत्कृष्ट अनुसंधान एवं विकास केंद्र है, जिसे यूनिडो द्वारा "उत्कृष्टता का केंद्र" घोषित किया गया है। अनुसंधान एवं विकास केंद्र में निम्न श्रेणी के लौह अयस्क का इस्पात संयंत्रों में उपयोग करने के संबंध में अनुसंधान कार्य किया जा रहा है।

प्रति वर्ष 67 मिलियन टन से अधिक की क्षमता का विस्तार करने के लिए आपकी कंपनी नए लौह अयस्क निक्षेपों के आबंटन के लिए नीलामी में भागीदारी तथा सरकारी वितरण, दोनों ही मार्गों का अनुसरण कर रही है।

वर्तमान परियोजनाएं

(क) नगरनार, बस्तर, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता का इस्पात संयंत्र

जैसा कि आपको ज्ञात ही है, आपकी कंपनी छत्तीसगढ़ में जगदलपुर के निकट नगरनार में 3.0 मिलियन टन वार्षिक ग्रीन फील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना ब्लास्ट फर्नेस– आक्सीजन फर्नेस (बीएफ–बीओएफ) माध्यम से कर रही है। प्रमुख सिविल कार्य 90% से अधिक पूर्ण हो चुका है तथा संयंत्र प्रारंभिक प्रचालन के लिए तैयार हो रहा है।

आपकी कंपनी ने 31 अगस्त, 2017 तक उपर्युक्त पर रूपए 12,559.30 करोड़ राशि का व्यय किया है।

एनआईएसपी का रणनीतिक विनिवेश

इस्पात संयंत्र का निर्माण कार्य पूरी तेजी के साथ चल रहा है। सरकार ने नगरनार, छत्तीसगढ़ में 3 एमटीपीए एनएमडीसी लौह तथा इस्पात संयंत्र (एनआईएसपी) के रणनीतिक विनिवेश को "सैद्धांतिक रूप से" अनुमोदित किया है।

इस्पात संयंत्र के विनिवेश से संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों पर सलाह देने के लिए संचालन सलाहकार, विधिक सलाहकार तथा अन्य सलाहकारों को रखा गया है।

(ख) कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, कर्नाटक

आपकी कंपनी ने कर्नाटक में 72 मिलियन टन वार्षिक तक बढ़ाने की क्षमता वाली कुमारस्वामी लौह अयस्क खान को प्रारंभ किया है। इसमें भारत का एक अद्वितीय कन्वेयर है, जिसमें रीजनरेटिव सिंगल फ्लाइट डाउन हिल कन्वेयर की विशेषताएं हैं एवं इसकी 5 कि.मी. की लंबाई में हॉरीजेंटल तथा वर्टिकल मोड़ हैं।

(ग) दोणिमलै पेलेट संयंत्र, कर्नाटक

एनएमडीसी की अग्रिम समेकन पहल के भाग के रूप में आपकी कंपनी ने दोणिमलै में 1.2 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला पेलेट संयंत्र लगाया है। इस संयंत्र में दोणिमलै खान से उत्पन्न स्लाइम तथा चूर्ण का उपयोग इस्पात उद्योग में प्रयोग के लिए पेलेट के उत्पादन में किया जाता है। संयंत्र मौजूदा टेलिंग डेम की आयु में वृद्धि करेगा तथा स्लाइम एवं निम्न श्रेणी के चूर्ण का उपयोग करेगा। यह शून्य अपशिष्ट खनन की ओर एक कदम है।

(घ) स्क्रीनिंग संयंत्र–III, किरंदुल काम्पलेक्स

एनएमडीसी की विजन योजना के अनुरूप बैलाडीला में किरंदुल काम्पलेक्स की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए आपकी कंपनी ने 12 मिलियन टन प्रतिवर्ष स्क्रीनिंग की क्षमता वाले तीसरे स्क्रीनिंग संयंत्र (एसपी–III) की स्थापना की योजना बनाई है। सभी आवश्यक सांविधिक अनुमतियां प्राप्त कर ली गई है। निविदा संबंधी कार्य जारी हैं।

(ङ.) स्लरी पाइप लाइन परियोजना

बैलाडीला क्षेत्र से निकासी क्षमता को बढ़ाने तथा लौह अयस्क चूर्ण तथा स्लाइम का उपयोग करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा नगरनार में 15 मिलियन टन प्रतिवर्ष की क्षमता वाली स्लरी पाइप लाइन परियोजना को दो चरणों में निष्पादित किया जाएगा अर्थात बैलाडीला से नगरनार तथा नगरनार से विशाखापट्टनम। नगरनार में 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष की क्षमता वाली पेलेट संयंत्र परियोजना भी स्थापित की जा रही है। पहले चरण के कार्य के लिए सांविधिक अनुमतियां प्राप्त करने का कार्य अग्रिम चरण में है।

वैश्विक पहलें तथा व्यवसाय विविधीकरण

आपकी कंपनी राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बृहद बनाना चाहती है तथा अपने प्रचालनों को बृहद स्तर प्रदान करना चाहती है। रणनीति के अनुरूप आपकी कंपनी ने रक्षा क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत तथा विदेश में टंगस्टन खनिज आस्तियों में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने के लिए मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) तथा डिफेंस मेटलर्जीकल रिसर्च लेबोटरीज (डीएमआरएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है।

आपकी कंपनी के पास बुलयांग ओम्बे, तंजानिया में 38.83 वर्ग कि.मी. के स्वर्ण निक्षेप के लिए 4 खनन पट्टे (एमएल) हैं, जहां पर समुचित एजेंसी के माध्यम से विभिन्न चरणों में 12 टन प्रति घंटे के पायलट संयंत्र की स्थापना की योजना बनाई गई है।

पर्थ, आस्ट्रेलिया में लेगेसी आयरन ओर लिमिटेड कंपनी, जिसमें आपकी कंपनी की 78.6% इक्विटी है, लौह अयस्क, स्वर्ण तथा आधारभूत धातुओं के अपने 19 गवेषण क्षेत्रों में गवेषण का कार्य कर रही है।

जैसा कि आपको ज्ञात ही है, सेल, आरआईएनएल तथा एनएमडीसी की संयुक्त उद्यम कंपनी आईसीवीएल ने मौजंबिक में 2014 में कोकिंग/थर्मल कोयला खान का अधिग्रहण किया था, जिसमें आपकी कंपनी की शेयरधारिता 26% है।

विशेष प्रयोजन साधन (एसपीवी)

राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में विशेष प्रयोजन साधन प्रणाली के द्वारा ग्रीन फील्ड क्षमता में वृद्धि परिकल्पित की गई है। आपकी कंपनी इस पहल पर कर्नाटक एवं झारखंड में कार्य कर रही है।

कर्नाटक में इस्पात एसपीवी का गठन किया गया है तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। झारखंड में भी इस्पात एसपीवी का गठन किया गया है, जिसके लिए चतरा जिले में स्थान का चयन किया गया है। इस संबंध में अनुमतियां प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

इन इस्पात एसपीवी को दीर्घावधि लौह अयस्क लिंकेज प्रदान करने के लिए आपकी कंपनी समुचित निक्षेपों के आबंटन हेतु संबंधित राज्य सरकारों से विचार विमर्श कर रही है।

नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

आपकी कंपनी देश के अत्यंत सुविधारहित क्षेत्र की जनता के जीवन स्तर/परिस्थितियों के उन्नयन के लिए उस समय से कार्यरत है जब सीएसआर एक सांविधिक आवश्यकता नहीं बनी थी।

एनएमडीसी का सीएसआर मानव विकास के सभी सूचकों, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सफाई, सतत आय अर्जन के लिए कौशल विकास, पेयजल तथा मूलभूत सुविधाओं का विकास।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि कंपनी की सीएसआर नीति की लोक उद्यम विभाग द्वारा प्रशंसा की गई है तथा उसे अन्य कंपनियों के लिए अनुसरण हेतु एक मॉडल के रूप में बताया गया है।

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि आपकी कंपनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सीएसआर संबंधी गतिविधियों पर रूपए 174.18 करोड़ का व्यय किया है जो पूर्ववर्ती 3 वर्ष के औसत पीबीटी के 2% की सांविधिक अपेक्षा से अधिक है।

कार्पोरेट अभिशासन

आपकी कंपनी ने सेबी विनियमन/डीपीई दिशानिर्देशों में दिए गए कार्पोरेट अभिशासन मानदंडों का अनुपालन किया है।

वर्ष 2016–17 के लिए भी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कंपनी के वार्षिक लेखे पर शून्य टिप्पणी की है।

उत्कृष्टता को मान्यता

आपकी कंपनी को विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर पुरस्कार तथा सराहना प्राप्त होती रही है। मैं यह विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि एनएमडीसी की 3 खानों को सतत विकास के उपायों के लिए भारतीय खान ब्यूरो ने "फाइव स्टार" रेटिंग प्रदान की है।

- दलाल स्ट्रीट जर्नल द्वारा सर्वाधिक प्रभावशाली पीएसयू अवार्ड।
- गवर्नेंस नाउ पत्रिका द्वारा वित्तीय वर्ग में रणनीतिक निष्पादन के लिए पीएसयू अवार्ड ।
- पर्यावरण तथा सीएसआर के क्षेत्र में किरंदुल, बचेली, दोणिमलै तथा पन्ना परियोजनाओं को ग्रीनटेक अवार्ड (सिल्वर) ।
- वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस द्वारा सर्वोत्तम सीएसआर पद्धति अवार्ड तथा मोस्ट केयरिंग कंपनी अवार्ड ।

- प्लान मैन एचआर द्वारा सर्वोत्तम एचआर रणनीतिक योजना के लिए ग्लोबल एचआर एक्सीलेंस अवार्ड

भावी योजना

मांग एवं आपूर्ति कारकों को ध्यान में रखते हुए हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आगामी वर्षों में वैश्विक लौह अयस्क उद्योग में अधिशेष की स्थिति होगी, जिससे कीमतों तथा मार्जिन पर दबाव पड़ेगा। सौभाग्यवश भारत का इस्पात उद्योग आने वाले वर्षों में प्रभावशाली प्रगति की ओर अग्रसर है, जिससे घरेलू लौह अयस्क उपभोग में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।

आपकी कंपनी को इस अवसर के लिए तैयार रहना होगा तथा तीव्र वृद्धि योजना पर कार्य करना होगा। देश भर में एनएमडीसी की उपस्थिति बढ़ाने के लिए नए पट्टों को प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, जिनके लिए आपकी कंपनी हर संभव प्रयास करेगी। साथ ही, दीर्घावधि एवं सतत विकास के लिए ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि, प्रतिस्पर्धी लागत, अधिक उत्पादन तथा उत्पादकता के लिए नई प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक प्रयोग करने की भी आवश्यकता है।

आभार प्रदर्शन

अंत में मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि यह सभी कार्य कंपनी के कर्मचारियों के अनवरत एवं समर्पित प्रयासों से संभव हो सके हैं।

शेयरधारकों तथा कंपनी के प्रबंधन की ओर से मैं भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय को उनके निरंतर सहयोग, समर्थन तथा दिशानिर्देशों के लिए धन्यवाद देता हूं।

साथ ही, मैं छत्तीसगढ़ सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसके निरंतर सहयोग से कंपनी उत्कृष्ट प्रगति तथा परिणाम प्राप्त करने में सफल रही है। मैं कर्नाटक, झारखंड, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा की राज्य सरकारों तथा अन्य पणधारकों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने आपकी कंपनी के प्रति आत्मविश्वास तथा भरोसे की भावना रखी है।

मैं बोर्ड के सदस्यों, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक तथा अन्य संगठनों एवं संस्थाओं को उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। निश्चय ही हमारा यह प्रयास होगा कि कंपनी की सुस्थिर प्रगति, विस्तार एवं समृद्धि के लिए हम अपने सर्वोत्तम प्रयास करें, जो सभी पणधारियों के लिए लाभकारी हों।

जय हिन्द

ह./-
एन. बैजेन्द्र कुमार, आईएएस
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक: 22 सितंबर, 2017

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक,
हैदराबाद-500028. वेबसाइट : www.